

आदेश-फलक

न्यायालय, उप समाहर्ता भूमि सुधार, बेनिया

वाद सं०- 72/2012-13, प्र० वकील वाम योशी वंश काठ

-015 370

केस का प्रकार - BLDR ACT

-अज्ञात दिनांक

आदेश का क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश का दिनांक आदेश का क्रम
19/01/13	<p align="center"><u>आदेश</u></p> <p>पुस्तक वाद आवेदक प्र० वकील के द्वारा समाहर्ता, प्र० चंपारण, बेनिया को समर्पित आवेदन से सूचित है।</p> <p>आवेदक ने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि अंचल मंशोलिया के प्रो.जा. रूपी निशानचय का खेसत 2064, 2048, 2052 का ^{सुन} रकवा 2064 08 का 05 थुलूरी आवेदक को निर्दिष्ट वयमान दस्तावेज से प्राप्त है यह भूमि वास्तुविदानी से वर्ष 2010 एन 2011 को खरीदगी के अधीन ^{आवेदक} पर दखल रखता है। लेकिन विपरीतज्ञ प्रश्नगत भूमि अधिभूत ल से इस्तेमाल करने का उपाय कर रहे हैं।</p> <p>आवेदक के आवेदन के आलेख में विपरीतज्ञ को नोडि निर्गत किया गया। उक्त पक्ष अपने निज अधिकार के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित हुए लेकिन विपरीत ने न तो अपना काया-पृच्छा, लिखित जवान ही समर्पित किया न ही अपना पक्ष रखने या प्रश्नगत भूमि पर दाना उठाने करने के लिए न्यायालय में उपस्थित हुए। अतः विपरीतज्ञ को अपना पक्ष या दाना उठाने करने के लिए पराप्त</p>	

19/01/13

न्यायालय, उप समाहर्ता भूमि सुधार, बेतिया

वाद सं०- 22/2-13 80 नवीन कानून लागू किए

केस का प्रकार- 30 100 100 21 नवंबर

आदेश का क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर
	<p>अवकाश प्राप्त किया गया ऐसी स्थिति में आवेदक की एपसीपी खुदवाई की गई। आवेदक के आवेदन लिखे जाकर, प्रपत्र कागजातों के परीक्षण करके तथा आवेदक की एपसीपी खुदवाई के आधार पर आवेदक के दावों की पुष्टि होती है। विपरीत का प्रमाण भूखि पर किसी भी प्रकार से हस्तक्षेप करने के फल को निषेधित किया जाता है।</p> <p>उक्तपक्ष को सूचित करके वाद की कार्रवाई समाप्त की जाती है।</p> <p>दिनांक 19/01/13</p> <p>मुक्ति सुधार उप समाहर्ता</p> <p>2013</p> <p>उत्तिलिखित: डॉ. गणेश शंकर शर्मा, अवर जज</p> <p>को प्रमाणित कि उपरोक्त आदेशों को अनुपालन करना है।</p> <p>दिनांक 20/1/13</p> <p>डॉ. डी. डी. शर्मा</p>

